उत्तर प्रदेश पुलिस

उत्तर प्रदेश 112 आपात सेवाएं

आपदा प्रबंधन

विषय सामग्री

उत्तर प्रदेश 112 आपात सेवाएं

क्रमांक	सामग्री	समय (मिनट)	स्लाइड संख्या
1	सीखने का उद्देश्य	20	4
2	परिचय	25	5 - 9
3	आपदा के प्रकार	25	10 - 12
4	केस स्टडी	30	13-14
5	महत्वपूर्ण शब्दावली	45	15 - 19
6	आपदा जोखिम का आकलन	15	20
7	आपदा प्रबंधन	15	21
8	आपदा प्रबंधन चक्र	35	22 - 39

विषय सामग्री

क्रमांक	सामग्री	समय	स्लाइड संख्या
9	जागरूकता फैलाने हेतु प्रमुख बिंदु	45	40 - 53
10	PRV की भूमिका	30	54 - 55
11	आपदा प्रबंधन एक्ट 2005	30	56 - 57
12	PRV कर्मियों को आने वाली समस्याएँ	25	58
13	क्विज़	5	59 - 60
14	निष्कर्ष	20	61
15	प्रश्नोत्तर	20	62
16	सन्दर्भ	5	63

सीखने का उद्देश्य

इस सत्र के अंत में, आप निम्न कार्य करने में सक्षम होंगे

आपदा, खतरे, जोखिम, भेद्यता, क्षमता, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, पुनर्निर्माण, विकास, शमन, तैयारी और रोकथाम के तत्वों को परिभाषित करने में

परिचय

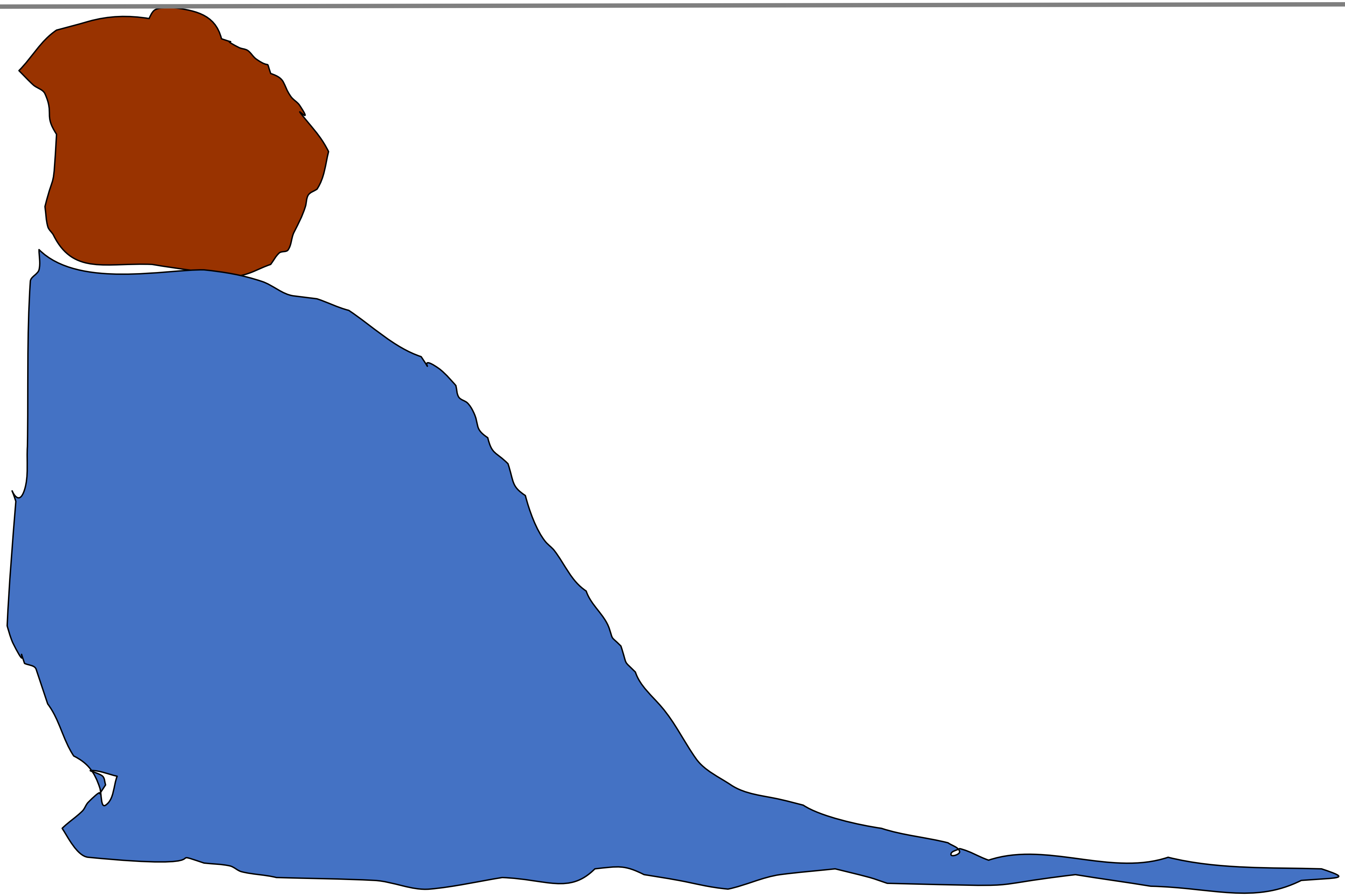

परिचय

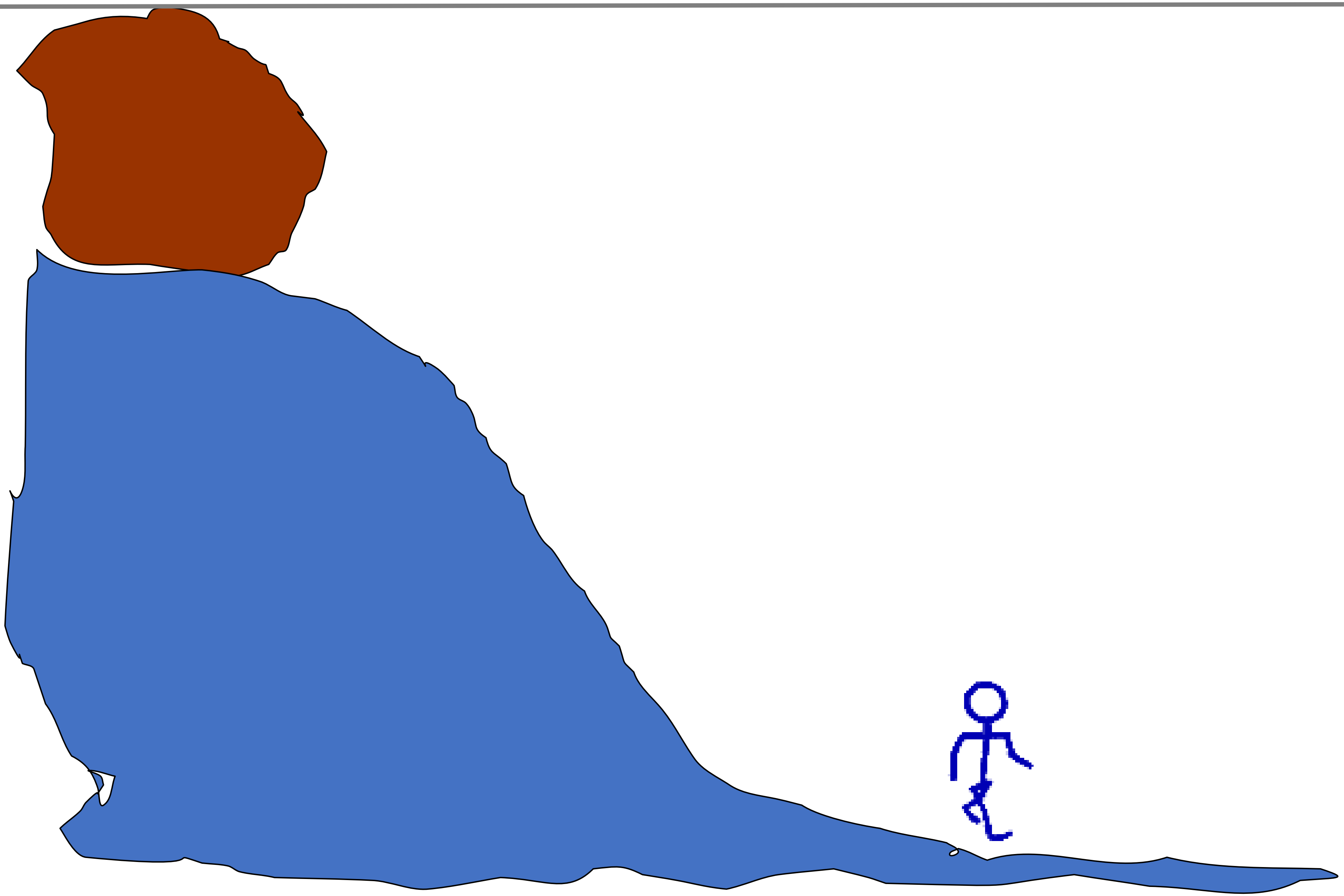

परिचय

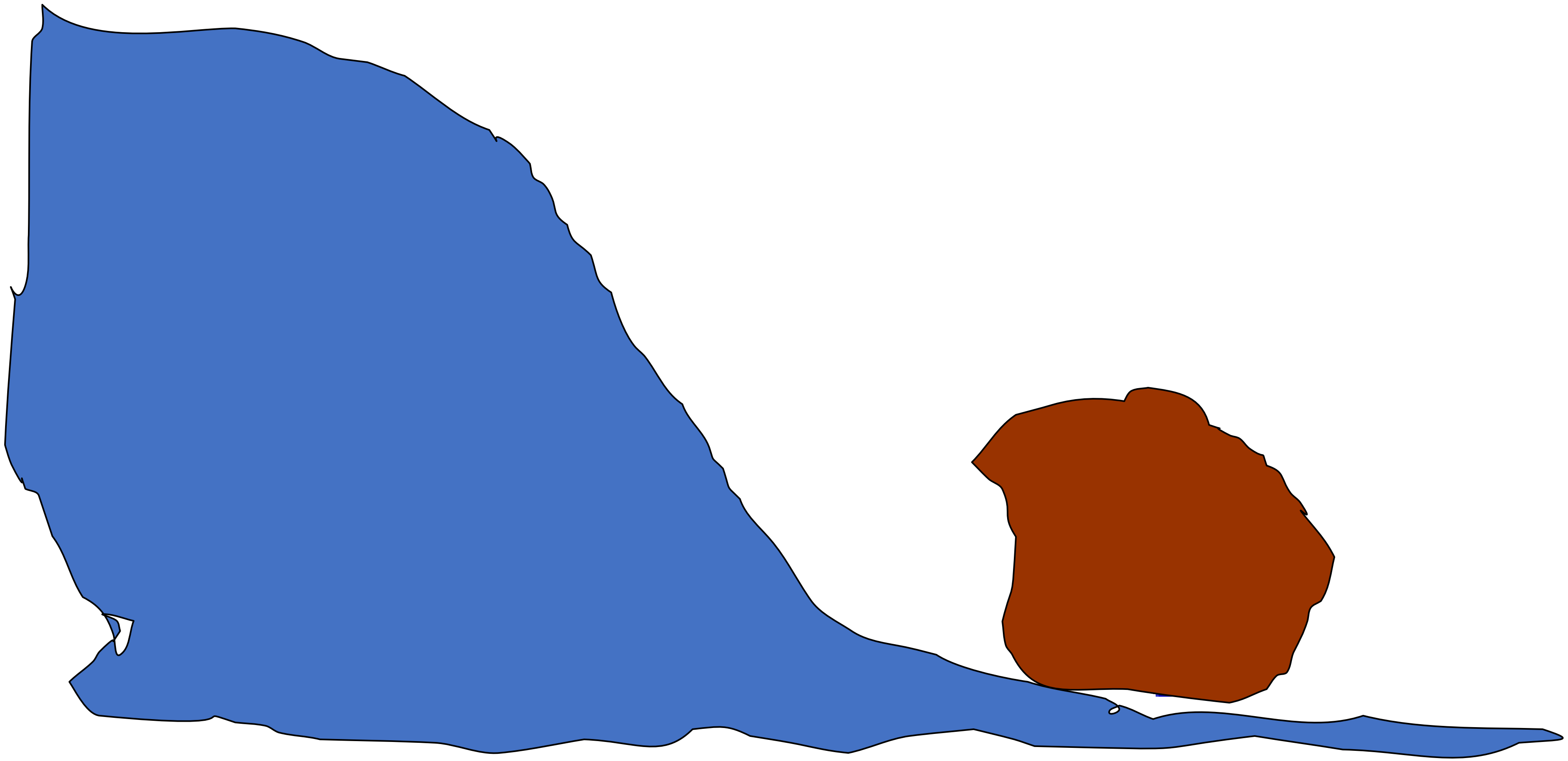

खतरे (Hazard)

घटना या स्थिति, जिसमें लोगों, उनकी संपत्ति, उनकी सेवाओं और उनके वातावरण में व्यवधान या क्षति संभावित हो

किसी घटना के घटित होने की संभावना

आपदा (Disaster)

समाज के काम-काज में गंभीर व्यवधान, जिससे व्यापक मानव, संपत्ति या पर्यावरणीय नुकसान होते हैं, जो प्रभावित लोगों के संसाधनों की क्षमता से अधिक है

एक घटना, या तो मानव निर्मित या प्राकृतिक, अचानक या प्रगतिशील, जिससे व्यापक मानव, संपत्ति या पर्यावरणीय नुकसान होते हैं

अपदा के प्रकार

- आपदा
  - प्राकृतिक
  - मानव निर्मित

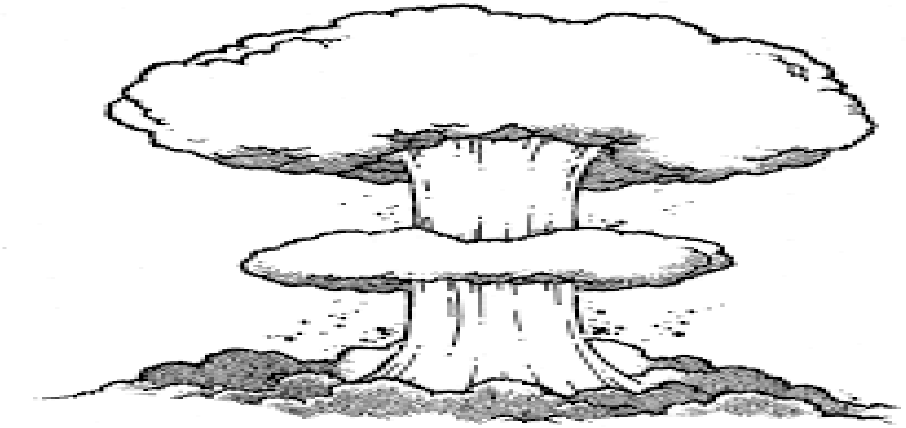

प्राकृतिक आपदा

- बाढ़
- भूकंप
- सूखा पड़ना
- भूस्खलन
- सुनामी
- संक्रामक रोग/ महामारी

मानव निर्मित आपदा

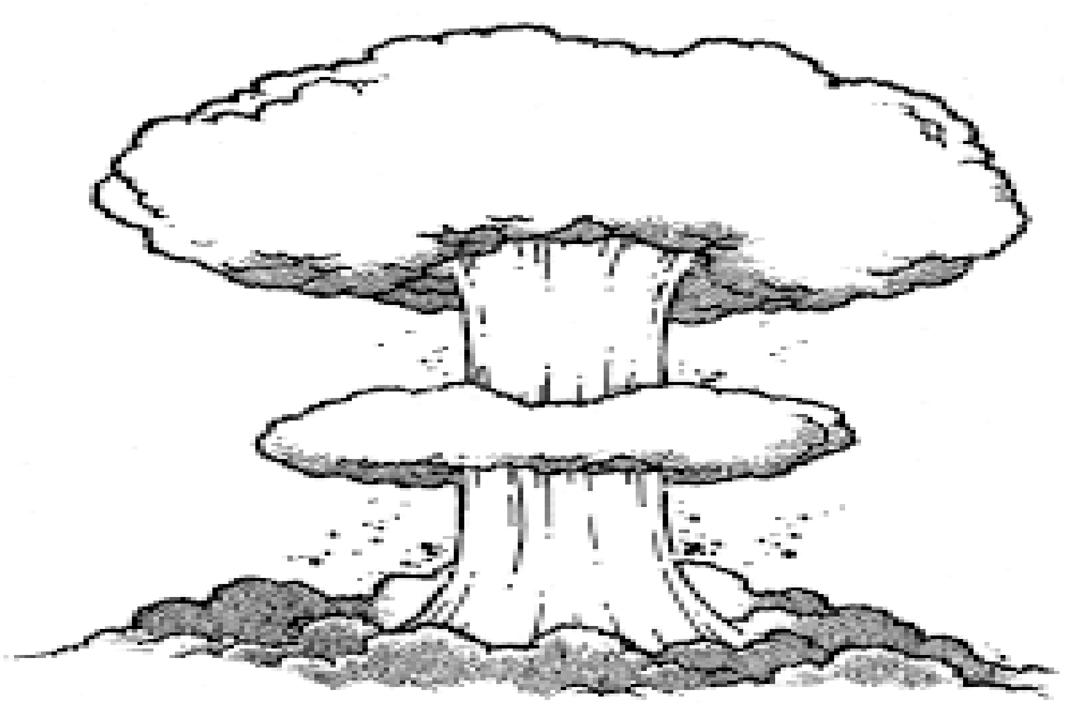

- औद्योगिक दुर्घटना
- पर्यावरणीय दुर्घटना
- जैविक दुर्घटना
- आतंकी गतिविधियाँ
- हवाई, सड़क, रेल दुर्घटना

केस स्टडी

- इवेंट नं - स्वतः संज्ञान
- कॉलर ने क्या कहा-

देर शाम जनपद जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के जगदीशपट्टी में गुरुवार की शाम दुकान में आक्सीजन सिलेंडर फटने से भीषण हादसा हो गया। जिससे वहा पर लोगों में डर की स्थिति उत्पन्न हो गई तथा लोगों मे अफ़ा-धापी मच गई | भवन का कुछ हिस्सा गिर गया है जिससे जानमाल का नुकसान हुआ है, बहुत सारे लोग अंदर फंसे है, कुछ लोगों की हालत गंभीर है इसके अलावा बिल्डिंग मे और भी आॅक्सीजन सिलेंडर होने की आशंका है कृपया आप ज़ल्दी आइए

- इस घटना का संक्षिप्त विवरण बनाएं
- इस घटना में एक PRV कर्मी के रूप में आप से क्या अपेक्षा की जाती है?
- आप को इस घटना की सूचना मिलने पर आप क्या-क्या करेंगे?

विचारणीय बिंदु

- PRV इस घटना में और क्या कर सकती थी कि पुलिस की छवि बेहतर होती?
- क्या पीड़ित पुलिस कार्यवाही से संतुष्ट होगी?

DISASTER

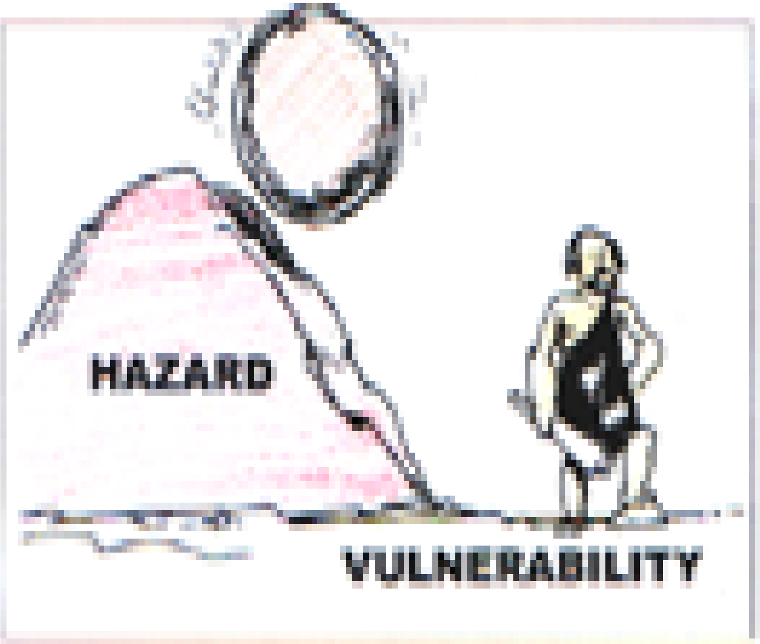
HAZARD
VULNERABILITY

महत्वपूर्ण शब्दावली

भेद्यता (Vulnerability)

यह एक ऐसी स्थिति है जो किसी खतरे के लिए लोगों की तैयारी, सामना करने या प्रतिक्रिया करने की क्षमता को कम कर देती है

महत्वपूर्ण शब्दावली

क्षमता (Capacity)

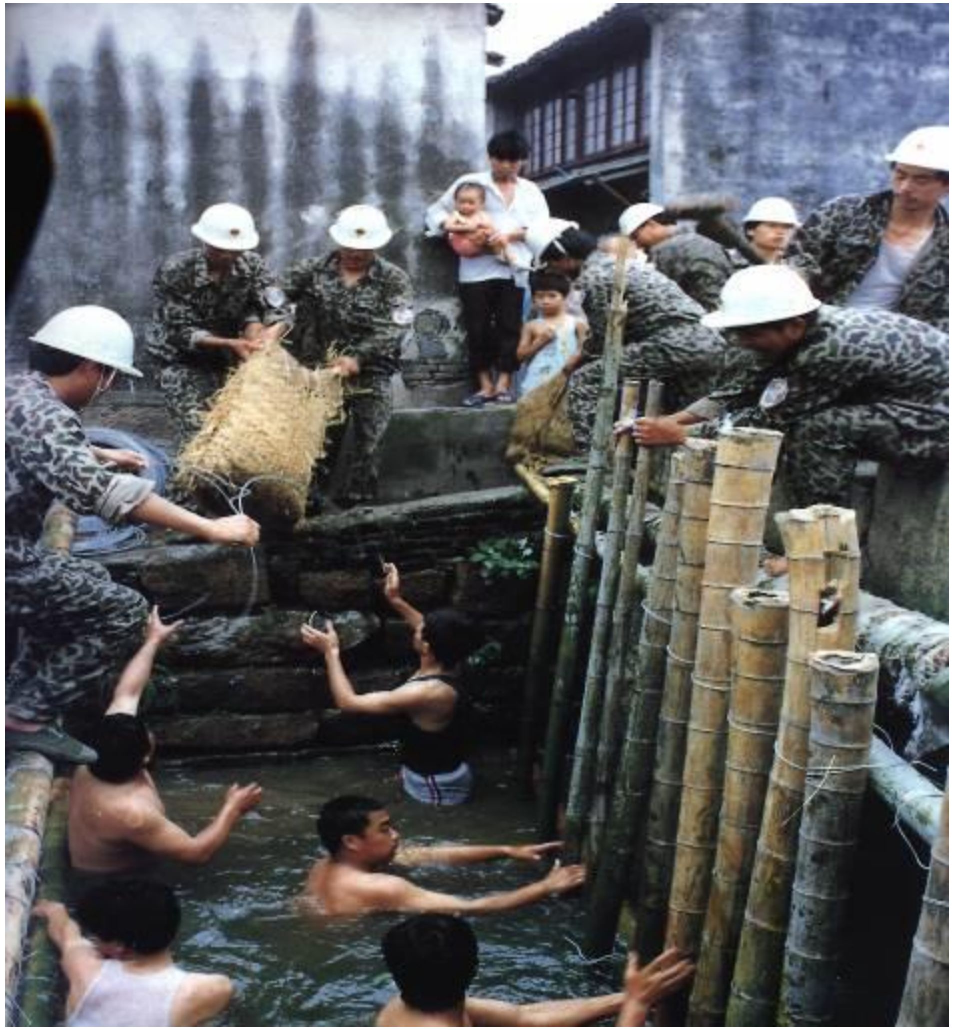

वे सकारात्मक स्थिति या क्षमताएं जो खतरों से निपटने के लिए समुदाय की क्षमता को बढ़ाती हैं।

महत्वपूर्ण शब्दावली

जोखिम(Risk)

किसी समुदाय के ढांचे या भौगोलिक क्षेत्र को किसी विशेष खतरे के प्रभाव से क्षतिग्रस्त या बाधित होने की संभावना, उनकी प्रकृति, निर्माण और किसी खतरनाक क्षेत्र से निकटता के कारण।

महत्वपूर्ण शब्दावली

जोखिम वाले तत्व
(Elements at Risk)

व्यक्तियों, इमारतों, फसलों या अन्य ऐसे सामाजिक घटकों को ज्ञात खतरे से अवगत कराया जाता है, जो खतरे के प्रभाव से प्रतिकूल रूप से प्रभावित होने की संभावना है

आपदा जोखिम का आंकलन

आपदा प्रबंधन

- आपदा प्रबंधन, एक पेशेवर समन्वयक के रूप में कार्य करता है। यह सुनिश्चित करता है कि, समस्त आवश्यक सहायता संसाधन और सुविधाएं उचित समय पर आपदाग्रस्त क्षेत्र में उपलब्ध हों, जिससे जान तथा माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके
- आपदा प्रबंधन समूह प्रायः ऐसे विशेषज्ञ लोगों का समूह होता है, जिनकी सेवाएं आपदा के समय अनिवार्य होती हैं। जैसे-डॉक्टर, नर्स, सिविल इंजीनियर, दूरसंचार विशेषज्ञ, वास्तुशिल्प, इलेक्ट्रीशियन इत्यादि

आपदा प्रबंधन चक्र

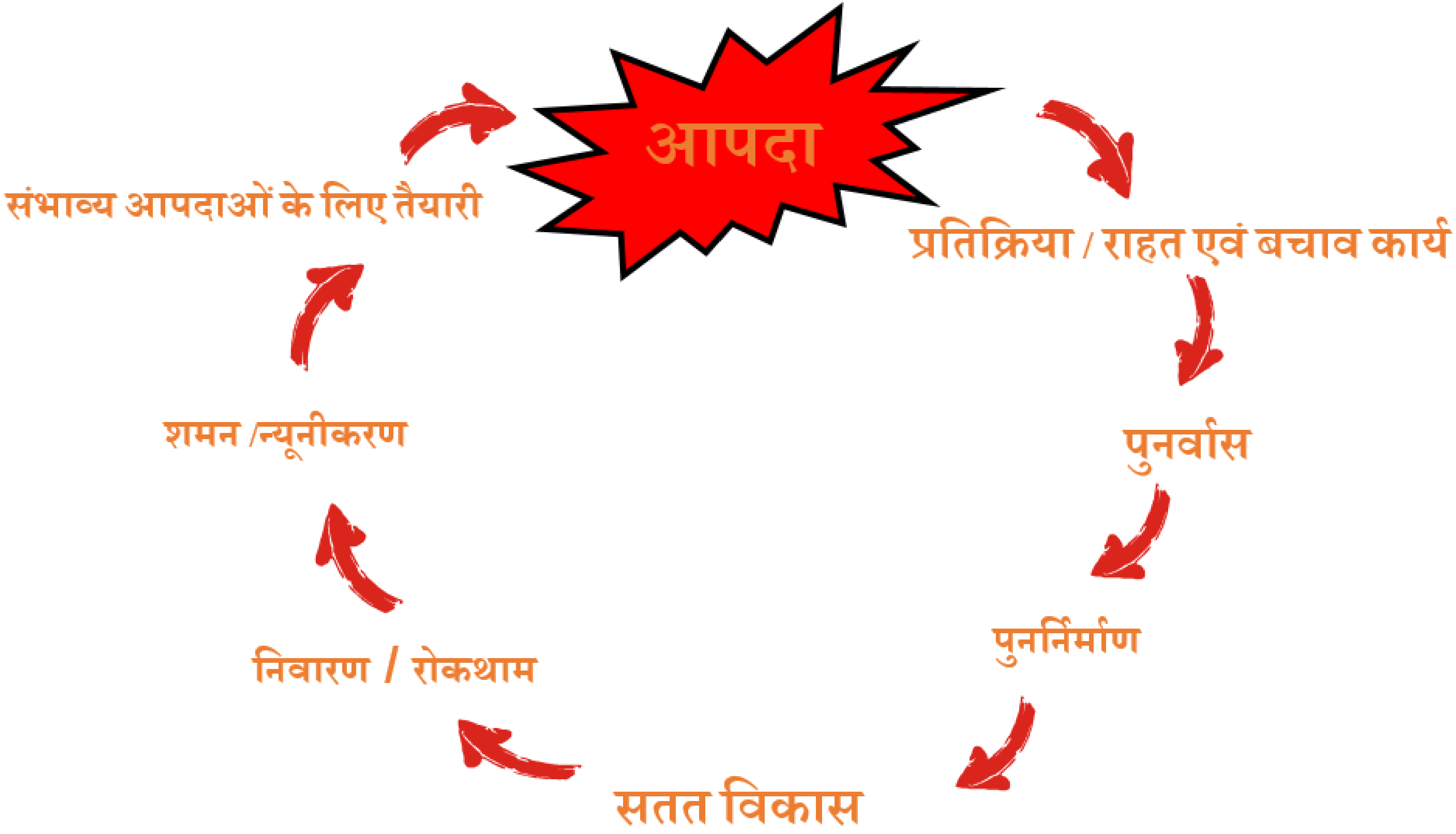

प्रतिक्रिया

आपदा के प्रभाव के तुरंत बाद की गई कार्रवाई जब बचे लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए असाधारण उपायों की आवश्यकता होती है

राहत एवं बचाव

जीवित व्यक्तियों की खोज और बचाव के लिए उपाय, साथ ही आश्रय, पानी, भोजन और स्वास्थ्य देखभाल की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना

निम्न में अंतर

बहाली (Recovery) - स्वास्थ्य, मन या शक्ति की सामान्य स्थिति में वापसी

पुनर्वास

पुनर्निर्माण

बहाली (Recovery)

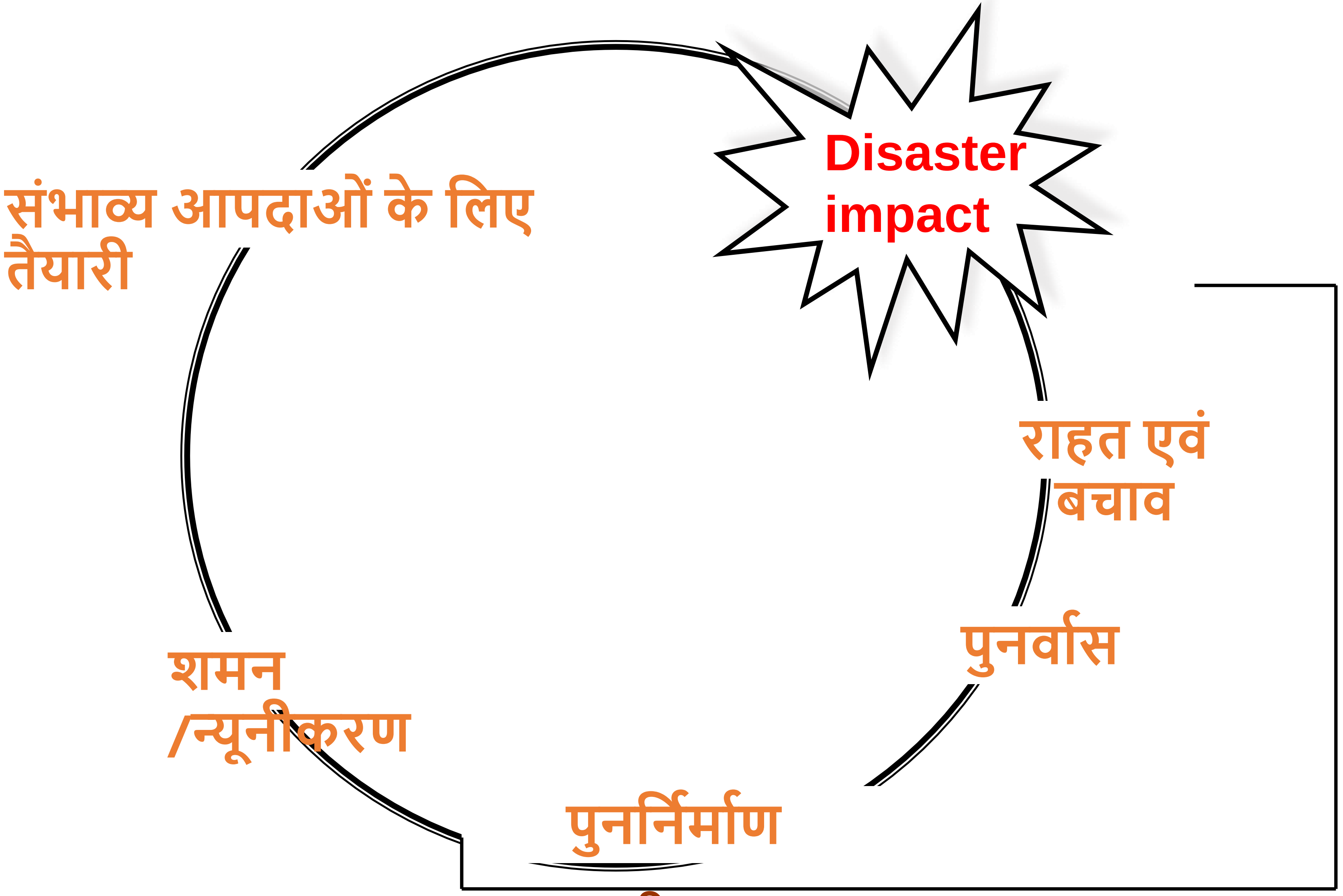

बहाली चरण (Recovery Phase)

बहाली (Recovery)

प्रशासन या आपदा प्रभावित समुदाय द्वारा अपनी पूरी कार्यक्षमता को बहाल करने के लिए प्रक्रिया शुरू करना या उसमे मदद करना

पुनर्वास

आपदा के पश्चात किये गए कार्य:

- पीड़ितों को अपने आवास की मरम्मत के लिए सहायता;
- आवश्यक सेवाओं को फिर से स्थापित करना;
- प्रमुख आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करना

पुनर्निर्माण

क्षतिग्रस्त आवासों और बुनियादी ढांचे की मरम्मत या बदलने और अर्थव्यवस्था को वापस निर्धारित करने के लिए स्थायी उपाय।

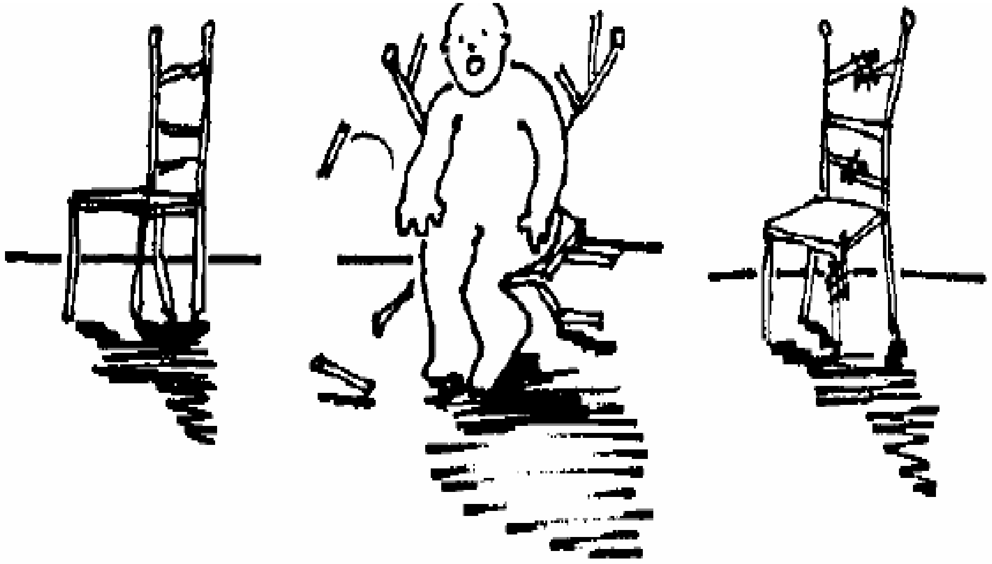

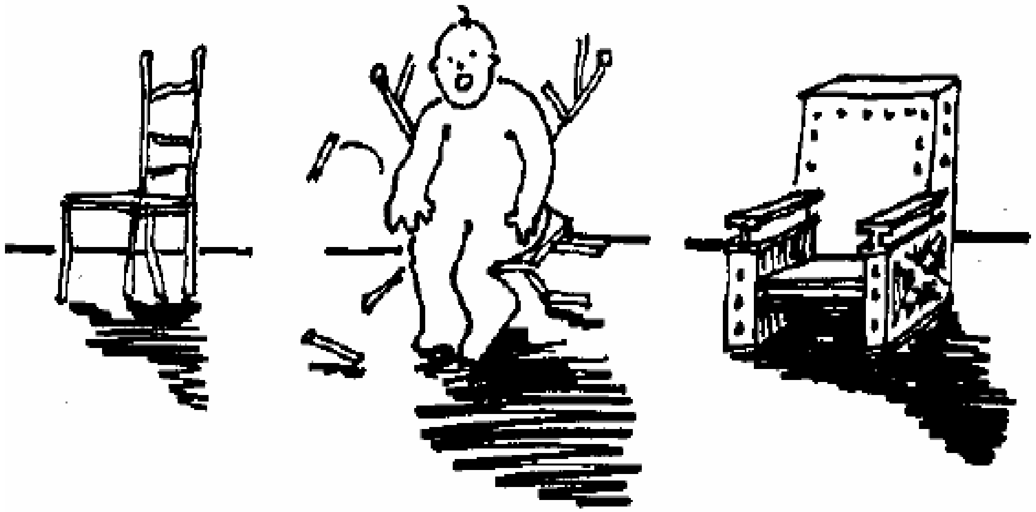

1
chair
2
disaster
3
rehabilitation

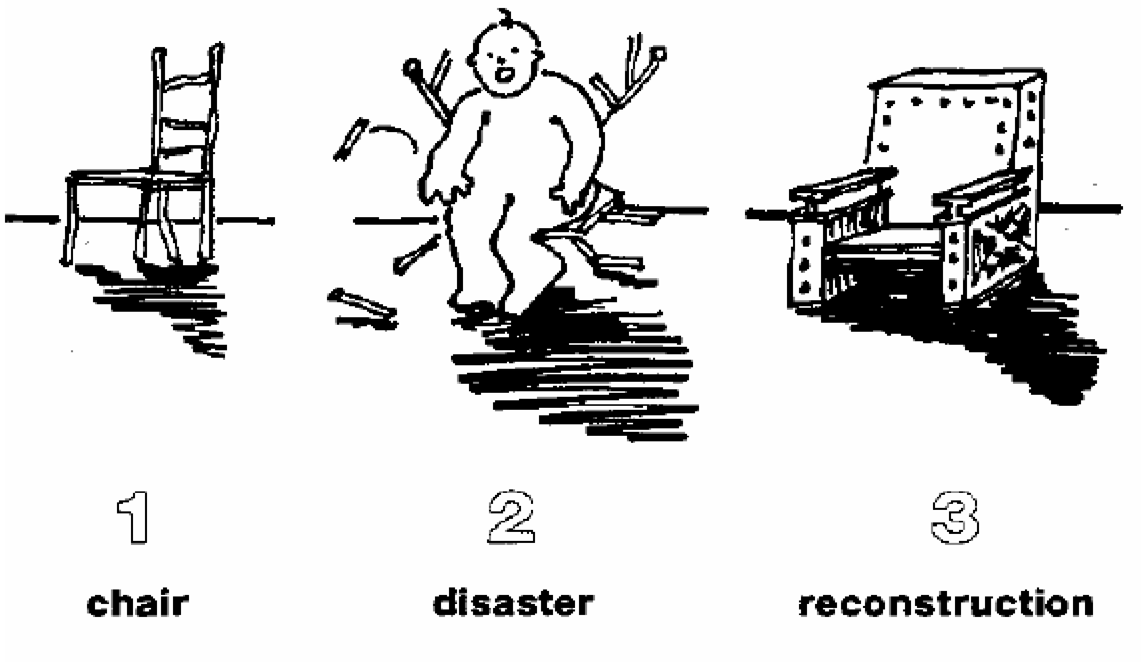
1
chair
2
disaster
3
reconstruction

सतत विकास

एक समुदाय के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को बेहतर बनाने या बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास

रोकथाम

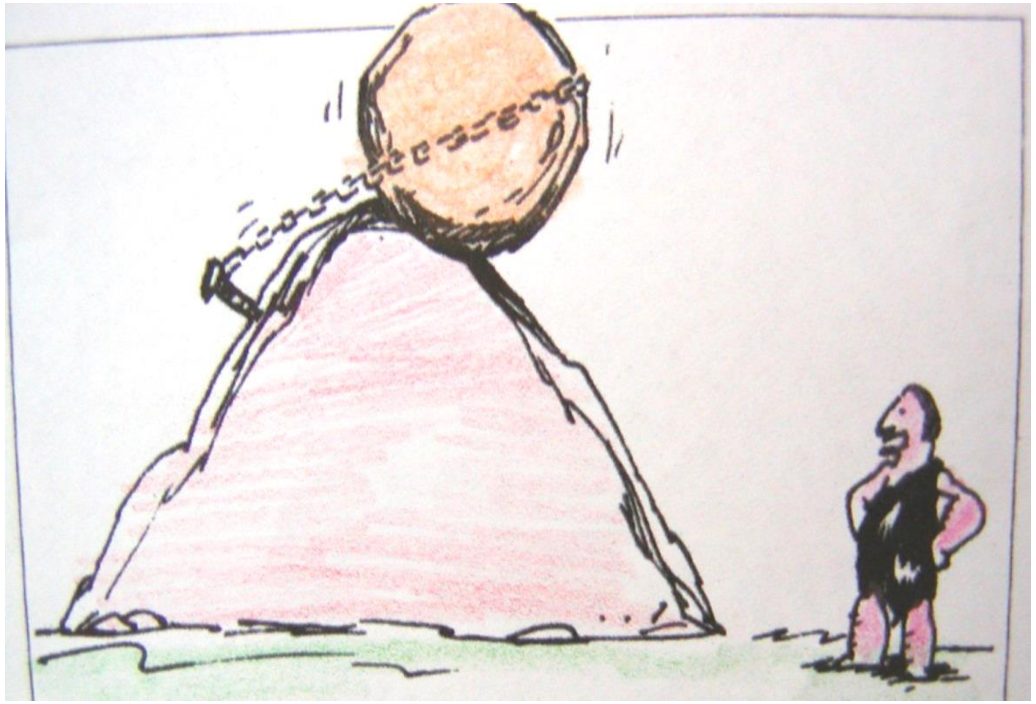

किसी आपदा को घटित होने से रोकने के लिए किए गए उपाय, यदि संभव हो तो (किसी खतरे को भांपकर उससे बचने के उपाय करना ताकि इसका कोई हानिकारक प्रभाव न हो)

शमन /न्यूनीकरण

आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए पहले किए गए उपाय इसके प्रभावों को कम करने के लिए मददगार (कभी-कभी संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपायों के

संभाव्य आपदाओं के लिए तैयारी

एक आपदा की प्रत्याशा में किए गए उपाय यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपदा के तुरंत बाद रहत एवं बचाव कार्य योजनाओं का उचित और प्रभावी कार्यान्वन किया जा सके।

शमन /न्यूनीकरण

शमन /न्यूनीकरण	रोकथाम
आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए पहले किए गए उपाय इसके प्रभावों को कम करने के लिए (कभी-कभी संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपायों के रूप में संदर्भित)	किसी आपदा को घटित होने से रोकने के लिए किए गए उपाय, यदि संभव हो तो (किसी खतरे को लागू करने के लिए ताकि इसका कोई हानिकारक प्रभाव न हो)

शमन /न्यूनीकरण

शमन /न्यूनीकरण	संभाव्य आपदाओं के लिए तैयारी
आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए पहले किए गए उपाय इसके प्रभावों को कम करने के लिए (कभी-कभी संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपायों के रूप में संदर्भित)	एक आपदा की प्रत्याशा में किए गए उपाय यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपदा के तुरंत बाद रहत एवं बचाव कार्य योजनाओं का उचित और प्रभावी कार्यान्वन किया जा सके

शमन /न्यूनीकरण

शमन / न्यूनीकरण

संभाव्य आपदाओं के लिए तैयारी

संभाव्य आपदाओं के लिए तैयारी

शमन / न्यूनीकरण

रोकथाम

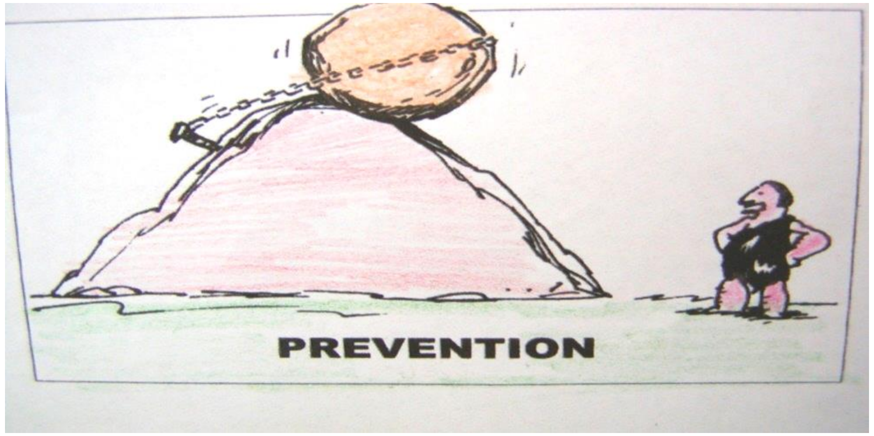

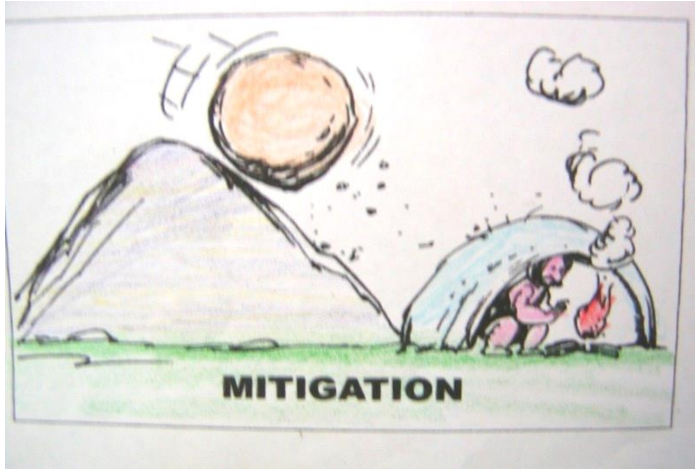

संभाव्य आपदाओं के लिए तैयारी

शमन /न्यूनीकरण

जागरूकता फैलाने हेतु प्रमुख बिन्दु

सामान्य एवं अति अनिवार्य कार्यवाही

- किसी भी घटना के दौरान मृत्यु होने की दशा में शव एवं घटनास्थल को प्रभारी PRV द्वारा अधीनस्थ पुलिस बल के सहयोग से सुरक्षित किया जायेगा एवं मृतक के सामान की सुरक्षा सुनिश्चित की जायेगी।

- स्थानीय थाने के प्रतिनिधि के घटनास्थल पर पहुंचने पर शव, घटनास्थल, पीड़ित के सामान एवं समस्त सूचनाओं को स्थानीय थाने के प्रतिनिधि को हस्तानान्तरित किया जायेगा।

आग लगने पर क्या करें

- आग लगने पर तुरंत 101 नंबर पर कॉल करके सूचना दें
- आग लगने पर सबसे पहले इमारत की अग्नि चेतावनी की घंटी (फायर अलार्म) को सक्रिय करें
- आग लगने पर लिफ्ट का उपयोग न करें, केवल सीढ़ियों का ही प्रयोग करें
- जिस जगह आग लगी हो, वहां इलेक्ट्रिक सप्लाई स्विच ऑफ कर दें
- यदि आपके कपड़ों में आग लग जाए तो भागे नहीं, इससे आग और भड़केगी.

क्या न करें

- झूठा आवश्वासन देना
- किसी को बचाने हेतु आग की लपटों में स्वयं कूदना
- भीड़ एकत्रित होने देना

लू का प्रकोप: क्या करें

- घर के खिड़की - दरवाजे के माध्यम से ताज़ी हवा के सतत प्रवाह को सुनिश्चित करें
- अधिक भरे हुए कमरे ज्यादा गर्म करते हैं अतः कमरों में से अनावश्यक फर्नीचर, अखबार तथा किताबें आदि को हटा दें
- सफ़ेद रंग की छत धूप तथा गर्मी को घर में प्रवेश करने से रोकती हैं तथा घर को ठंडा रखती है
- दोपहर 12 से 03 के बीच बाहर निकलते समय विशेष सावधानी बरतें तथा सिर ढक कर ही बहार निकलें

लू का प्रकोप: क्या करें

- थोड़ी-थोड़ी देर पर पानी पीते रहें, प्यास लगने का इन्तजार न करें
- ORS तथा घरेलू ठन्डे पेय जैसे लस्सी, निम्बू पानी, छाछ आदि का सेवन करें
- हलके रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें
- पर्दों का प्रयोग कर घर को ठंडा रखें
- रसोई में ताज़ी हवा का प्रवाह सुनिश्चित करें

लू का प्रकोप: क्या करें

- यदि आपको कमजोरी, अत्यधिक थकान या तबीयत ख़राब लग रही है तो तत्काल डॉक्टर से संपर्क करें
- पालतू जानवरों को छाँव में रखें और उन्हें पीने को पर्याप्त पानी देते रहें
- वृद्ध, बच्चों, बुजुर्गों तथा मोटापे के शिकार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें

लू का प्रकोप: क्या न करें

- चाय, कॉफ़ी, शराब, सोडा तथा कार्बोनेटेड ड्रिंक का सेवन न करें, इनसे Dehydration हो सकता है
- अधिक गर्मी के दौरान ज्यादा शारीरिक श्रम से बचें
- नंगे पैर न चलें
- अधिक प्रोटीन तथा बासी खाने को न खाएं

कार में बच्चों को अकेला ना छोड़ें

भूकंप: क्या करें

- अपने घर को भूकंप रोधी बनाएं, भारी फर्नीचर तथा वस्तुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखना
- अपने घर के आस पास एक ऐसे स्थान का चयन करें, जहाँ भूकंप के दौरान तथा उसके बाद सुरक्षित शरण ली जा सके
- घर छोड़ते वक्त आपातकालीन किट लेना ना भूलें, जिसमें जीवन रक्षक दवाओं के साथ कम से कम तीन दिनों के लिए खाद्य सामग्री तथा पानी शामिल

भूकंप: क्या करें

- भूकंप के दौरान किसी मजबूत फर्नीचर के नीचे छिप जाएं तथा अपने सिर व शरीर के महत्वपूर्ण हिस्सों को ढँक लें; इस दौरान फर्नीचर को पकड़ कर रखें
- कांच व खिड़कियों से दूर रहें तथा भूकंप के झटकों के दौरान इमारत से बाहर न निकलें
- अगर आप उस समय घर से बाहर हैं तो शीघ्र खुले मैदान में चले जाएं तथा इमारतों, पुलों और खम्भों आदि से दूर रहें

बाढ़: क्या करें

- यदि आपके क्षेत्र में बाढ़ की आशंका है तो वैकल्पिक निर्माण सामग्री पर विचार करें
- रेडियो, टीवी आदि के माध्यम से स्थिति की सूचना लेते रहें
- अपने निकटतम सुरक्षा शिविरों व सुरक्षित मार्गों की पूर्ण जानकारी रखें
- आपातकालीन किट सदैव तैयार रखें, इस किट में पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री, पानी तथा दवाई आदि

बाढ़: क्या करें

- बाढ़ के दौरान उबला पानी पियें, हल्का भोजन करें व खाद्य पदार्थों को ढँक कर रखें
- बच्चों, बुजुर्गों व गर्भवती महिलाओं को खाली पेट न रहने दें
- विषैले जीव जंतुओं से सचेत रहें
- गर्म कपड़े, आवश्यक दवाएं, कीमती सामान, महत्वपूर्ण कागजात आदि को सुरक्षित पैकेट में रखें तथा आपात स्थिति में इसे अपने साथ रखें

बाढ़: क्या करें

- बिजली की मुख्य आपूर्ति को बंद रखें तथा पानी से भीगे उपकरणों का प्रयोग न करें
- बच्चों को बाढ़ के पानी के आस-पास न जाने दें
- यदि पानी की गहराई और धारा का अनुमान न हो तो पानी में कदापि न जाएं
- अपने वाहन में सदैव हवा भरा ट्यूब व एक मजबूत लम्बी रस्सी रखें

बाढ़: क्या करें

- यदि संभव हो तो कुछ अतिरिक्त कपड़े व खाद्य सामग्री सदैव अपने वाहन में रखें
- अपने वाहन के first aid kit को सदैव तैयार रखें

विभिन्न आपदाओं में PRV की भूमिका

- स्थानीय स्तर के जोखिम का आंकलन।
- पूर्व सूचना प्रसारण में सहयोग
- आपदा में सर्वाधिक संवदेनशील मानव वर्ग को समझना जैसे- गर्भवती महिला, विकलांग, बुजुर्ग, बीमार व्यक्ति आदि।
- थाने से समन्वय स्थापित करना तथा निष्क्रमण में जिला प्रशासन का सहयोग करना
- स्थानीय स्तर पर उपलब्ध गोताखोरों एवं नाविकों के सहयोग से यथा-सम्भव राहत एवं बचाव कार्य करना। गोताखोरों/बचाव दल हेतु, जनपद नियंत्रण कक्ष अथवा थानाध्यक्ष

विभिन्न आपदाओं में PRV की भूमिका

- किसी भी घटना के दौरान मृत्यु होने की दशा में, शव एवं घटनास्थल को, प्रभारी PRV द्वारा अधीनस्त पुलिस बल के सहयोग से सुरक्षित किया जायेगा एवं मृतक के सामान की सुरक्षा सुनिश्चित की जायेगी
- स्थानीय थाने के प्रतिनिधि के घटनास्थल पर पहुंचने पर शव, घटनास्थल, पीड़ित के सामान एवं समस्त सूचनाओं को स्थानीय थाने के प्रतिनिधि को हस्तानान्तरित किया जाय
- गाड़ी में लाइफ जैकेट, फ्लोटिंग रिंग, रस्सा-कुण्डा तथा प्राथमिक उपचार बॉक्स आदि साथ रख कर घटना स्थल पर पहुंचें

आपदा प्रबंधन एक्ट 2005

इसमें इंसिडेंट कमांड सिस्टम के तहत तीन मुख्य सेक्शन होते हैं- लॉजिस्टिक, ऑपरेशन व प्लानिंग सेक्शन, यदि तीनों सेक्शन मिलकर राहत कार्य करें तो कई जानें बचाई जा सकती हैं, आपदा के वक्त सबसे ज़्यादा अहमियत लॉजिस्टिक (मेडिकल, नगर निगम,नगर परिषद, नगर पालिका आदि) व (ऑपरेशन सेक्शन नागरिक सुरक्षा, स्टेट डिजास्टर रिस्पांस टीम, इमरजेंसी रिस्पांस टीम) की होती है, क्योंकि किसी भी घटना में जान-माल की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती होती है

आपदा प्रबंधन एक्ट 2005

लॉजिस्टिक: आपदा के वक्त सुविधा, सेवा, सामग्री, तकनीकी उपकरण और अन्य जरूरत के संसाधन उपलब्ध करवाएंगे मुख्य रूप से मेडिकल, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, जल विभाग, बिजली निगम की भूमिका होती है। जल संसाधन, कृषि, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, पशुपालन विभाग भी इसमें शामिल हैं

ऑपरेशन: नागरिक सुरक्षा, स्टेट व नेशनल डिजास्टर रिस्पांस टीम, पुलिस इमरजेंसी रिस्पांस टीम, होमगार्ड, फायर ब्रिगेड व एनसीसी कैडेट्स शामिल होते हैं

प्लानिंग: इस सेक्शन में वे विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो आपदा राहत के लिए संसाधन उपलब्ध कराने, परिस्थिति के मुताबिक निर्णय लेते हैं। इसमें सभी विभागों के अधकारी

अग्नि सम्बन्धी मामलों में PRV कर्मियों को आने वाली समस्याएँ

- आक्रोशित भीड़ द्वारा PRV कर्मियों का बहिष्कार किया जाना
- महिला पुलिस कर्मियों का समय पर घटना स्थल पर ना पहुंचना (कई घटनाओं में पीड़ित व्यक्ति महिला एवं/ अथवा बालिका भी होती है)
- पुलिस बल/ अग्नि शमन विभाग आदि का ससमय न पहुंचना

क्विज़

- आपदा प्रबंधन एक्ट कब पारित हुआ

1. 2007
2. 2009
3. 2005
4. 2004

उत्तर: 3 (2005)

क्विज़

- NDRF का पूरा नाम

1. NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE
2. NATION DISASTER RESPONSE FORCE
3. NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE
4. NATIONAL DISASTER REAL FORCE

उत्तर: 1 (NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE)

निष्कर्ष

- विभिन्न शब्दावली के बीच स्पष्ट अंतर
- तैयारी, शमन, और रोकथाम के बीच अंतर,
- रिकवरी, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के बीच अंतर
- डीएम और डीआरएम के बीच अंतर
- विभिन्न शब्दावली के बारे में हमारे ज्ञान को तेज करें

प्रश्नोत्तर

सन्दर्भ

क्र० सं०	विभाग/संस्था/कार्यालय	यूआरएल/प्रकाशन/रिपोर्ट
1	National Disaster Management Authority	https://ndma.gov.in
2	National institute of Disaster Management	https://nidm.gov.in

112 आपात सेवा सोशल मीडिया

Twitter
@112UttarPradesh

SMS
7233000100

E-Mail
100@up100.uppolice.gov.in

Facebook
@Call112

Whatsapp
7570000100

Citizen Portal
Up100.uppolice.gov.in

Sources to Connect 112

धन्यवाद!